

किसानों को खेत से फसल बेचने के लिये ई-मंडी प्लेटफॉर्म बनेगा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कृषि, पशुपालन, डेयरी पर बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक की

जयपुर, 3 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों के सर्वांगीण विकास के लिए बनाई गई योजनाएं उन्हें ‘विकसित राजस्थान-2०47’ की यात्रा में भागीदार भी बना रही हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय में कृषि, कृषि विपणन, उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी और गोपालन विभाग की बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक में शर्मा ने कहा कि कृषि को रोजगारोन्मुखी व्यवसाय बनाने की दिशा में राज्य सरकार दूरगामी निर्णय ले रही है।

लघु एवं सीमांत किसानों को सस्ती दर पर कृषि उपकरण उपलब्ध कराने के लिए राज्य में 1,०00 कस्टम हार्वरिंग सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को खेत से ही फसल बेचने की सुविधा देने के लिए ई-मंडी प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है। इससे उनकी आय में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर फसलों के भंडारण के लिए आधारभूत ढ िचे के निर्माण के निर्देश दिए गए हैं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को कृषि, कृषि विपणन, उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी और गोपालन विभाग की बजट घोषणाओं की समीक्षा की।

ग्लोबल राजस्थान एग्री टेक मीट (ग्राम)-2०26 के सफल आयोजन के

लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने बताया कि

‘विचलित मत हों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
किरणें दाग सकती हैं-चाहे वह जहाज पर लगी हों या ज़मीनी ट्रकों पर।

निर्माण किया जा सके।
भारत के लिए इस चीनी प्रदर्शन से सबसे बड़ी सीख सिर्फ़ रक्षा क्षमता की

■ अमेरिका के साथ-साथ चीन की यह सामरिक ताकत भारत के लिये भी नींद उड़ाने वाला मुद्दा है। भारत की ऐतिहासिक भूल थी, प्राइवेट सेक्टर को, सेना के लिये हथियार व अन्य सामरिक महत्व के सामान बनाने की प्रक्रिया से दूर रखना।

■ अतः अभी भारत का हथियार बनाने का ‘‘आधारभूत औद्योगिक ढांचा’’ अविकसित या अर्द्ध विकसित सा ही है, तथा चीन इस दौड़ में भारत से मीलों आगे हो गया है, और यह भारत के लिये वाकई में गहन चिन्ता का विषय है।

भारत के लिए यह हथियार और सैन्य प्रणालियाँ कोई अनजान बात नहीं होनी। हमारा सैन्य शीर्ष नेतृत्व और राजनीतिक नेतृत्व चीन की क्षमताओं से परिचित होगा। सवाल यह है कि हम क्या कर रहे हैं ताकि चीन की बराबरी कर सकें या कम से कम उसके क़रीब पहुँच सकें। भारतीय सैन्य योजनाकारों और राजनीतिक नेतृत्व को आगे बढ़ना होगा। और आयातकालीन आधार पर रक्षा-औद्योगिक ढांचा तैयार करना होगा ताकि देश की सुरक्षा के लिए सबसे आधुनिक और सक्षम हथियारों का

चिंता नहीं है, बल्कि अपनी घरेलू विनिर्माण क्षमता के विकास की चिंता है। रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र को शामिल न करना और विदेश से हथियार ख़रीदने का विकल्प चुनना अब साफ़ तौर पर एक भारी गलती साबित हो रहा है, जिसने भारत और चीन के बीच रक्षा उत्पादन क्षमता में वर्षों का फ़ासला बना दिया है। अब समय आ गया है कि तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए जाएँ। इसके लिए मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था और औद्योगिक क्षेत्र की ज़रूरत है। नीतियाँ उसी लक्ष्य को पाने के लिए बनानी होंगी।

उपराष्ट्रपति चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
चुनाव एकल हस्तांतरणीय मतदान प्रणाली से होता है। इसमें सांसद उम्मीदवारों के नाम के आगे प्राथमिकता अंकित करते हैं। पहली प्राथमिकता अनिवार्य है, जबकि बाकी प्राथमिकताएं वैकल्पिक हैं। पहली प्राथमिकता यदि नहीं दी गयी है तो वोटे अमान्य हो जाता है। मतदान के समय चुनाव आयोग

विशेष पैन देगा और किसी अन्य पैन से डाला गया वोट मान्य नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि इस बार उपराष्ट्रपति चुनाव में मुकाबला इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जी. सुदर्शन रेड्डी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार पूर्व राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन के बीच है।

‘एक राज्य में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
पूर्व केन्द्रीय मंत्री आनंद शर्मा, जिन्होंने वकील के रूप में वापसी की है, ने हिमाचल प्रदेश की ओर से कहा कि राष्ट्रपति या राज्यपाल संसद या विधानसभाओं को बुलाते तक नहीं है।

यह प्रक्रिया संसदीय कार्य मंत्री से शुरू होती है। कर्नाटक की ओर से एडवोकेट गोपाल सुब्रह्मण्यम ने सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि किसी राज्य में दोहरी सत्ता (राज्यपाल और राज्य सरकार दोनों) नहीं हो सकती।

द्वितीय विश्व युद्ध में, जापान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
7० मिनट तक चला यह कार्यक्रम चीन की सैन्य शक्ति और कूटनीतिक प्रभाव को दर्शाने के लिए तैयार किया गया था।

माओत्से तुंग स्टाइल का ट्यूनिक स्पष्ट पहने राष्ट्रपति शी ने खुली छत वाली लिफ्टजिन से सैन्य परेड और सैन्य उपकरणों का निरीक्षण किया।

परेड में अत्याधुनिक हथियारों की झलक देखने को मिली, जिनमें हाइपरसोनिक मिसाइलें, पानी के भीतर चलने वाले ड्रोन और एक हथियारबंद रोबोट भेड़िया शामिल हैं। समारोह का समापन हेलीकॉप्टरों और लड़ाकू विमानों की एक साथ उड़ान हुई और इसके बाद 80,०00 पीस बर्द्स को उड़ाने के साथ हुआ।

पश्चिमी देशों द्वारा अलग-थलग किए गए पुतिन और किम की मौजूदगी इस परेड को एक खास विशेषता रही, जो क्रमशः यूक्रेन युद्ध और उत्तर कोरिया की परमाणु महत्वाकांक्षाओं के चलते आलोचना में रहे हैं।

इस कार्यक्रम के बाद घनिष्ठ बीजिंग, माँस्को और प्योंगयांग के बीच रक्षा संबंध की अटकलें तेज हो गई हैं,

खासकर रूस और उत्तर कोरिया के बीच जून 2०24 में हुए समझौते के बाद। विशेषतः यह भी देख रहे हैं कि क्या चीन और उत्तर कोरिया के बीच भी इसी तरह का गठबंधन बनता है- ऐसा होने पर यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सैन्य संतुलन बदल सकता है। चीन के इस शक्ति-प्रदर्शनी पर अमेरिका की प्रतिक्रिया सतर्क और कूटनीतिक रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टुथ सोशल पर इस कार्यक्रम की आलोचना करते हुए राष्ट्रपति शी पर ‘‘अमेरिका के खिलाफ षड्यंत्र रचने’’ का आरोप लगाया, जिसमें पुतिन और किम भी शामिल हैं। ट्रंप ने सवाल उठाया कि क्या चीन द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिकी सैनिकों द्वारा दिए गए बलिदानों को याद करेगा, जिन्होंने चीन की आजादी में मदद की थी।

उन्होंने लिखा, ‘‘सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या राष्ट्रपति शी अमेरिका द्वारा चीन की स्वतंत्रता के लिए दिए गए बलिदानों को स्वीकार करेंगे। बहुत से अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। मुझे आशा है कि उन्हें उनके साहस और बलिदान के लिए उचित सम्मान और स्मरण

मिलेगा।’’

उन्होंने आगे जोड़ा, ‘‘मैं राष्ट्रपति शी और चीन के महान लोगों को इस जश्न के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। कृपया मेरी ओर से व्यादिमीर पुतिन और किम जोंग उन को भी गर्मजोशी से नमस्कार दें, जब आप अमेरिका के खिलाफ षड्यंत्र रचें।’’

हालांकि, ट्रंप ने पहले पत्रकारों से कहा था कि वह इस परेड को अमेरिका के लिए सीधी चुनौती के रूप में नहीं देखते। जापान के शीर्ष सरकारी प्रवक्ता ने परेड पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि एशिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं ‘‘रचनात्मक संबंध’’ बना रही हैं।

राष्ट्रपति शी ने द्वितीय विश्व युद्ध को ‘‘चीनी राष्ट्र के महान पुरुस्त्थान’’ का एक मोड़ बताया है, जहां जापान के आक्रमण से मिली अपमानजनक हार के बाद चीन एक वैश्विक महाशक्ति बन गया। इस सप्ताह की शुरुआत में, शंघाई कोऑपेरेशन ऑर्गनाइजेशन के शिखर सम्मेलन में, शी ने नई विश्व व्यवस्था की अपनी कल्पना पेश की और ‘‘हठधर्मी शक्ति राजनीति’’ का विरोध करते हुए एकजुटता की अपील की यह

अमेरिकी की आलोचना के रूप में देखा गया। विश्लेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान वैश्विक अस्थिरता का मुख्य कारण चीन नहीं बल्कि ट्रंप की एकतरफा नीतियाँ हैं।

परेड के बाद आयोजित एक स्वागत समारोह में शी ने कहा कि मानवता को ‘‘जंगल के कानून’’ की ओर लौटने से बचना चाहिए।

ताइवान, जिसे चीन अपना हिस्सा मानता है, ने अपने नागरिकों से परेड में भाग न लेने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि इससे बीजिंग के क्षेत्रीय दावों को बल मिल सकता है।

ताइवान की राष्ट्रपति लाई चिंग-ने ने कहा कि उनका देश बंडूक की नोक पर शांति का जश्न नहीं मनाता।

विश्लेषकों का कहना है कि यह परेड देश में राष्ट्रवादी भावना को बढ़ावा देने और आंतरिक समस्याओं से ध्यान हटाने के उद्देश्य से की गई थी।

चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी भ्रष्टाचार विरोधी अभियान चला रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि यह परेड देश में अधिक जनरलों को हटा दिया गया है, जिनमें से कई शी के करीबी माने जाते थे।

बिहार चुनाव की रणनीति पर भाजपा की अहम् बैठक

नयी दिल्ली, ०3 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने बिहार विधानसभा चुनाव की रणनीति एवं तैयारी को लेकर बुधवार को यहां व्यापक चर्चा की।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर इस संबंध में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में शाह के अलावा, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, बिहार में पार्टी के प्रभारी विनोद तावड़े, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, सांसद संजय

■ **मिटींग में बिहार विधानसभा चुनाव में सीटों के आवंटन पर चर्चा की गई**

जायसवाल, बिहार के सह प्रभारी दीपक प्रकाश तथा कुछ अन्य नेता मौजूद थे।

बैठक में हुए विचार-विमर्श के बारे में अधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गई, लेकिन सूत्रों के अनुसार इस अहम बैठक में बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अन्य दलों के साथ सीटों के आवंटन तथा पार्टी द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों पर विचार किया गया। माना जा रहा है कि भाजपा अन्य मुद्दों के साथ-साथ, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मतदाता अधिकांश यात्रा के दौरान बिहार में एक मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को अपशब्द कहे जाने को भी एक बड़ा मुद्दा बनाएगी।

जीएसटी काउन्सिल की समस्त सिफारिशें स्वीकार कीं, सभी राज्यों ने

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रैस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि सभी राज्यों ने जीएसटी की दरों को तर्क संगत बनाने पर मंजूरी दी है

■ **निर्मला सीतारमण ने बताया कि जीएसटी में अब 5 व 18 प्रतिशत के दो ही स्लैब होंगे।**

■ **नई दरें नवरात्रि के पहले दिन, यानि 22 सितम्बर से लागू हो जाएंगी। इससे आम आदमी की जरूरत का सामान सस्ता हो जाएगा।**

बताया कि दूध, रोटी, पिज्जा ब्रेड, छेना समेत कई फूड आइटम जीएसटी फ्री होंगे। इंडिविजुअल हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर भी टैक्स नहीं लागेगा। 33 जीवन रक्षक दवाएं, दुर्लभ बीमारियों और गंधभी बीमारियों के लिए दवाएं भी टैक्स फ्री होंगी।

लग्जरी आइटम्स और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर 4० प्रतिशत जीएसटी लगाया जाएगा। ये स्लैब नवरात्रि के पहले दिन यानी 22 सितंबर से लागू हो जाएंगे।

इन बदलावों का मकसद आम आदमी की जरूरतों के सामान को सस्ता करना और तंबाकू जैसे हानिकारक उत्पादों पर टैक्स बढ़ाकर उनके उपयोग को हतोत्साहित करना है।

जीएसटी परिषद की बैठक के बाद हुए ऐलानों पर पीएम मोदी ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि केन्द्र के सभी जीएसटी प्रस्तावों को परिषद द्वारा मंजूरी मिलने पर खुशी है।

एसी और टीवी जैसे इलेक्ट्रिक प्रोडक्ट्स 18 फीसदी जीएसटी के

चंद्रशेखर की बेटी कविता ने पार्टी से इस्तीफा दिया

हैदराबाद/नयी दिल्ली, ०3 सितम्बर। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की पुत्री तथा विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के कविता ने पार्टी से निलम्बित होने के एक दिन बाद बुधवार को पार्टी तथा परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

बीआरएस के सहयोगी संगठन तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष, केकविता ने विधान परिषद की सदस्यता से अपना इस्तीफा अध्यक्ष को सौंप दिया। इससे एक दिन पहले उन्हें उनके पिता और बीआरएस प्रमुख, के चंद्रशेखर राव ने पार्टी से निलंबित कर दिया था। कविता ने अपने चचेरे भाई एवं पूर्व मंत्री टी हरीश राव तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था, जिसके बाद पार्टी ने अनुशासनहीनता के आरोप में उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। पूर्व लोकसभा सदस्य, के कविता ने पार्टी तथा विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा सौंपने के बाद यहां पत्रकारों से कहा, मैंने विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

रूपवास थाने में हैड कॉन्स्टेबल ने आत्महत्या की

परिजनों के अनुसार वह लम्बे समय से बीमार था और अवसाद से जूझ रहा था

■ **हैड कॉन्स्टेबल बदन सिंह ने थाना परिसर में अपने आवास के बाथरूम में फांसी लगा कर आत्महत्या की, वह डेढ़ माह पहले ही प्रमोट होकर हैड कॉन्स्टेबल बना था।**

पुलिसकर्मियों ने उन्हें फंदे पर लटके देखा था। जागकारियों को इसकी सूचना दी। अभी तक पुलिसकर्मों के सुसाइड के कारणों का पता नहीं चला है।

एडिशनाल एसपी (बयाना)

हरिनाथ कुमावत ने बताया कि रूपवास थाना परिसर में जो आवास बने हैं, उसके कमरे के बाथरूम में बदन सिंह लटके हुए मिले। इसके बारे में परिजनों ने रिपोर्ट पेश की है। बदन सिंह दौलतपुर थाना चिकसाना के रहने वाले थे। जिस कमरे

में फंदा लगाया गया, उसे सील कर दिया गया है। जागकारों के अनुसार, बदन सिंह डेढ़ महीने पहले ही कॉन्स्टेबल से प्रमोट होकर हैड कॉन्स्टेबल बने थे।

घटना की सूचना पर एसएपी एडीएफ बयाना हरौराम कुमावत, सी.ओ नीरज भारद्वाज, रुदावल थानाधिकारी बालकृष्ण फोर्जदार, थानाधिकारी चंद्रमोहन, खेरिया मोड़ चौकी इंचार्ज घनश्याम पोखवाल, बंध बरौटा चौकी इंचार्ज भरतलाल व विनोद शर्मा मय

और आइसक्रीम आदि पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत पर आ सकते हैं या पूरी तरह से हट सकता है। कृषि और उर्वरक: सल्फ्यूरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड और अमोनिया जैसे इनपुट्स पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत पर लाने का प्रस्ताव है। वस्त्र: सिंथेटिक यार्न, मैन-मेड स्टेपल फाइबर यार्न, कालीन और हस्तशिल्प पर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत पर लाया जा सकता है। टॉयलेटरीज: ट्यूपाउडर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत और दृथपेस्ट को 18 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत किया जा सकता है। शीम्यू, तेल और साबुन को भी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत श्रेणी में लाने पर विचार हो रहा है। छाता: इसकी दर घटाकर 5 प्रतिशत की जा सकती है।

होटल बुकिंग: 7,5०0 रुपये तक किए गए वाले होटल कमरों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया जा सकता है। सरकार की योजना है कि 28

कैंसर की दवाएं, पनीर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
और आइसक्रीम आदि पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत पर आ सकते हैं या पूरी तरह से हट सकता है। कृषि और उर्वरक: सल्फ्यूरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड और अमोनिया जैसे इनपुट्स पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत पर लाने का प्रस्ताव है।

वस्त्र: सिंथेटिक यार्न, मैन-मेड स्टेपल फाइबर यार्न, कालीन और हस्तशिल्प पर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत पर लाया जा सकता है। टॉयलेटरीज: ट्यूपाउडर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत और दृथपेस्ट को 18 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत किया जा सकता है। शीम्यू, तेल और साबुन को भी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत श्रेणी में लाने पर विचार हो रहा है।

छाता: इसकी दर घटाकर 5 प्रतिशत की जा सकती है। होटल बुकिंग: 7,5०0 रुपये तक किए गए वाले होटल कमरों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया जा सकता है। सरकार की योजना है कि 28

प्रतिशत श्रेणी में आने वाले 9० प्रतिशत सामान को 18 प्रतिशत श्रेणी में लाया जाए और 12 प्रतिशत श्रेणी से काफी सामान 5 प्रतिशत श्रेणी में कर दिया जाए। इससे घरेलू खपत बढ़ ने की उम्मीद है और अनुमानित 5०,०00 करोड रुपये के राजस्व नुकसान की भरपाई भी हो जाएगी।

कुछ सामान या सेवाओं, जैसे जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम, जिन पर फिलहाल 18 प्रतिशत टैक्स लगाता है, को जीएसटी ढ ढंचे से बाहर करने के प्रस्ताव भी हैं। तथापि कुछ ‘‘लगजरी’’ वस्तुएं, जैसे तंबाकू और महंगी गाड़ियां, साथ ही शराब, अब भी ‘‘शिन गुड्स’’ (स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वस्तुओं) की श्रेणी में रहेंगी और इस बार उन पर स्वास्थ्यसेवक (हेल्थ सेंस) या ग्रीन एनर्जी उपकर लगाया जाएगा।

सरकार का मानना है कि इसका फायदा मध्यम वर्ग को मिलेगा, क्योंकि ‘‘दैनिक उपयोग की वस्तुएं’’ (अधी स्पष्ट नहीं है कि इनमें कौन-कौन सी चीजें शामिल होंगी) और ‘‘आकांक्षी वस्तुएं’’ (लालच के वाली वस्तुएं) सस्ती होनी चाहिए। पर मं कटौती से

जैसे जीएसटी स्लैब्स में बदलाव से मांग बढ़ेगी, और उम्मीद की जा रही है कि इसका असर उन 5० प्रतिशत टैरिफ पर भी कम होगा, जो डॉल्लर ट्रंप ने पिछले महीने अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाया है।

^[1] राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वलन प्रेस, एच-15०, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूखू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुघर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : ०141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386०31, 2386०32,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाउस, हनुमान हवा, बीकानेर। फोन: 220०660, फैक्स ०151-2527371, वरुणपुर कार्यालय: आयड मैं रोड आयड, वरुणपुर। फोन: 2413०92, फैक्स : ०294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रत भवन, बुर्गी नाका के पास, अजमेरा। फोन: 2627612, फैक्स:०145-2624665, जालोर कार्यालय : - जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोरा। फोन226422,226423, फैक्स: ०2973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय : - जी -1-2०1, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: ०7469-230600